लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 18 April 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

वोकेशनल कोर्सों के समन्वयक नियुक्त

दाखिले के लिए 22 तक होंगे पंजीकरण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में सोमवार को विज्ञान संकाय विभागाध्यक्षों की मौजूदगी में बैठक की गई। इसमें विज्ञान संकाय के दूसरे और चौथे सेमेस्टर में स्नातक स्तर पर शुरू किए जाने वाले वोकेशनल कोर्सों के समन्वयक नियुक्त किए गए। इनके सफल संचालन के लिए हर कोर्स के लिए एक कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

विश्ववद्यिलय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि संकाय में स्नातक स्तर पर दूसरे और चौथे सेमेस्टर में आठ-आठ वोकेशनल कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। विज्ञान संकाय के विभागों के दूसरे सेमेस्टर में शुरू होने वाले वोकेशन कोर्स के लिए डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. एनके सिंह, प्रो. गौरी सक्सेना, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. ज्योत्सना सिंह, प्रो. अंचल श्रीवास्तव, डॉ. आनंद वल्लभ और डॉ. एसपी कनौजिया को समन्वयक नियुक्त किया गया है। चौथे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्स में प्रो. अमिता कनौजिया, डॉ. मनोज कुमार यादव, प्रो. विजय कुमार राय, प्रो. गौरी सक्सेना, डॉ. रोहिणी यादव, प्रो. नरेंद्र कुमार पांडेय, डॉ. आनंद वल्लभ जोशी और डॉ. राजेश कुमार जोशी को समन्वयक बनाया गया है। डीन विज्ञान संकाय के मुताबिक पसंद के वोकेशनल कोर्स में दाखिले के लिए अभ्यर्थी 22 अप्रैल तक संबंधित विषय के समन्वयक के यहां पंजीकरण करा सकेंगे। (संवाद)

लविवि-कजाक विवि के छात्र साथ आएंगे

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि अफसरों और कजाकिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस अस्ताना, कजाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच सोमवार को अकादमिक सहयोग की संभावनाओं पर ऑनलाइन बैठक हुई।

इसकी अध्यक्षता कजाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक संजय वेदी ने की। डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कजाक विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आपसी सहयोग की अपेक्षा कर रहा है। जल्द दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के बीच एमओयू होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि भारत और विदेशों के संस्थानों के बीच अकादमिक विचार-विमर्श के लिए अपार संभावनाएं हैं। हमारी शिक्षा और अनुसंधान की स्थिति दुनियाभर से विश्वविद्यालयों को आकर्षित कर रही है। बैठक में लविवि की ओर से प्रो. आरपी सिंह, प्रो. अमृतांशु शुक्ला, डॉ. अनीस अहमद, डॉ. जीशान और कजाक प्रौद्योगिकी और व्यवसाय विवि के अधिकारी शामिल हुए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में छोटी हो रहीं चीजें

लविवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के शुभारंभ अवसर पर बोले तकनीकी शिक्षा मंत्री

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत। -संवाद

लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में चीजें छोटी होती जा रही हैं। अब यह कहने में संकोच नहीं करना चाहिए कि हम डाटा साइंस की ओर बढ़ रहे हैं और यह इसका ही समय है। ये बातें तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहीं। वे सोमवार को लविवि के अभियांत्रिकी संकाय में रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के शुभारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति इंजीनियरिंग छात्रों को कोर्स स्ट्रक्चर चुनने में लचीलापन देगी। विशिष्ट अतिथि राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने कहा, सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल शाखाएं इंजीनियरिंग का मूल है। ये वे ब्रांच हैं, जिनके बिना पोस्ट इंडस्ट्रीयल युग में विकास संभव नहीं है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा, मीनिंगफुल ह्यूमन रिसोर्स के लिए रीसेंट एडवांसमेंट और रीसेंट एजुकेशन का ज्ञान होना जरूरी है।

राष्ट्रीय सेमिनार के तकनीकी सत्र में आईआईटी मद्रास के प्रो. एके वर्मा और संत लौंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रो. पीके सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने विचार रखे।

HINDUSTAN PAGE 6

इंजीनियरिंग बिना विकास नहीं: पटेल

एलयू

एलयू में दो दिवसीय सेमिनार में सोमवार को मंत्री आशीष पटेल अतिथि रहे।

लखनऊ, संवाददाता। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग की वो ब्रांच हैं जिनके बिना पोस्ट इंडस्ट्रीयल युग में विकास संभव नहीं है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय द्वारा रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्य अतिथि आशीष पटेल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस युग में चीजें छोटी होती जा रही हैं। लेकिन सिविल, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। विशिष्ट अतिथि राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने कहा कि सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल शाखाएं इंजीनियरिंग का मूल हैं।

विज्ञान कांग्रेस की तैयारी में जुटा एलयू

लखनऊ। एलयू में भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी) के मद्देनजर तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। 6 व 7 मई को एलयू की ओर से 109वीं आईएससी के आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी और स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन व प्रो. गीतांजलि मिश्रा को कोलकाता भेजा जाएगा। यह लोग कोलकाता में होने वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस मंडल की कार्यकारी समिति व परिषद की बैठक में शामिल होंगे।

एलयू-कजाख यूनिवर्सिटी में एमओयू

लखनऊ। एलयू और कजाकिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस के बीच जल्द ही एमओयू साइन किया जाएगा। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन बैठक की। इसमें दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने छात्रों के आदान-प्रदान, स्नातकों की इंटर्नशिप, प्रोफेसरों द्वारा व्याख्यान, संगोष्ठियों और सम्मेलनों, संयुक्त प्रकाशनों और वैज्ञानिक पत्रों के मुद्दों पर सहमति व्यक्त की।

NBT PAGE 6

'आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के युग में छोटी हो रहीं चीजें'

■ एनबीटी सं., लखनऊ : आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के इस युग में धीरे-धीरे सभी चीजें छोटी होती जा रही है। संपूर्णतया डाटा साइंस का समय आ गया है। पर सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। इनके बिना विकास संभव नहीं है। ये बातें रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में मंत्री आषीष पटेल नहीं कहीं। सम्मेलन का आयोजन एलयू के अभियांत्रिकी संकाय की ओर से किया गया था। कार्यक्रम में राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. एसके सिंह, एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के साथ ही आईआईटी मद्रास के प्रो. एके वर्मा, आईईटी लखनऊ के प्रो. कुलदीप सहाय, संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रो.पीके सिंह ,आईईटी लखनऊ की प्रो. सीतालक्ष्मी मौजूद रहे।

एलयू व कजाख यूनिवर्सिटी मिलकर करेंगे काम

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू और कजाकिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस साथ में कई महत्वपूर्ण शिक्षण गतिविधियों पर काम करेंगे। दोनों के बीच जल्द ही एमओयू साइन होगा। एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय के मुताबिक दोनों विश्वविद्यालयों ने सोमवार को ऑनलाइन बैठक की। इसमें दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने स्टूडेंट्स के आदान-प्रदान, स्नातकों की इंटर्नशिप, प्रफेसरों द्वारा व्याख्यान, संयुक्त वैज्ञानिक संगोष्ठियों ,सम्मेलनों, संयुक्त प्रकाशनों और वैज्ञानिक पत्रों के मुद्दों पर सहमति बनी है। कजाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक संजय वेदी ने इस बैठक का संयोजन किया। ऑनलाइन मीटिंग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय छात्र सलाहकार के निदेशक प्रो.आरपी सिंह, एडिशनल डीन छात्र कल्याण प्रो. अमृतांशु शुक्ला समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

JAGRAN CITY PAGE IV

वोकेशनल कोर्सों में पंजीकरण 22 तक

लवि : अधिष्ठाता विज्ञान संकाय ने हर कोर्स के लिए तय किए कोआर्डिनेटर

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में स्नातक दूसरे व चौथे सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले वोकेशनल कोर्सों की सूची सोमवार को जारी कर दी। दोनों सेमेस्टर में विद्यार्थियों को विकल्प के तौर पर आठ-आठ वोकेशनल कोर्स दिए गए हैं। प्रत्येक कोर्स के लिए एक-एक कोआर्डिनेटर भी नामित किया गया है। छात्र-छात्राओं को कोर्स से संबंधित कोआर्डिनेटर से संपर्क करके गूगल फार्म के माध्यम से 22 अप्रैल तक पंजीकरण कराना होगा।

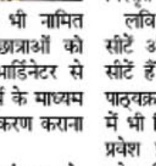

अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रो. बृजेंद्र सिंह की ओर से जारी नोटिस के अनुसार स्नातक दूसरे व चौथे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्सों की सूची जारी कर विद्यार्थियों को पंजीकरण का मौका दिया गया है। प्रत्येक कोर्स में अधिकतम 100 सीटें हैं। केमिस्ट्री विभाग के हेड प्रो. अनिल मिश्रा ने पंजीकरण के लिए गूगल फार्म तैयार कर लिया है। मंगलवार को सभी कोआर्डिनेटर्स को गूगल फार्म का लिंक भेज दिया जाएगा, जिससे विद्यार्थी पंजीकरण करना शुरू कर सकेंगे।

इनमें कर सकेंगे पंजीकरण

जूलाजी- स्नातक दूसरा सेमेस्टर सेरीकल्चर : द्वितीय सेमेस्टर- मैथेड्स एंड प्रास्पेक्टस, कोआर्डिनेटर-डा.कल्पना सिंह चौथा सेमेस्टरः इंटर्नशिप इन जूलाजी-प्रो. अमिता कनौजिया
जियोलाजी: दूसरा सेमेस्टर- जेमोलाजी, कोआर्डिनेटर डा. राजेश सिंह
चौथा सेमेस्टर : जियोआर्कियोलाजी- डा.मनोज कुमार यादव
केमिस्ट्री : दूसरा सेमेस्टर-फूड केमिस्ट्री-कोआर्डिनेटर डा.एनके सिंह
चौथा सेमेस्टर : इंट्रोडक्शन आफ हाउसहोल्ड केमिकल्स, सोप एंड डिटरजेंट-प्रो. विजय कुमार राय
फिजिक्स : दूसरा सेमेस्टर-सोलर फोटो वोल्टाइक टेक्नोलाजी/ आप्टोइलेक्ट्रानिक्स-1-कोआर्डिनेटर डा. ज्योत्सना सिंह, प्रो. अंचल श्रीवास्तव
चौथा सेमेस्टर : सोलर थर्मल एनर्जी कन्वर्जन/आप्टोइलेक्ट्रानिक्स-2 कोआर्डिनेटर प्रो.एनके पांडेय
कंप्यूटर साइंसः दूसरा सेमेस्टर- बेसिक कंप्यूटर-1 वीसी-1, कोआर्डिनेटर-डा.एस पी कनौजिया
चौथा सेमेस्टर : बेसिक आफ वेब डिजाइन वीसी-2-कोआर्डिनेटर डा. राजेश कुमार गौतम
गणित : दूसरा सेमेस्टर-एलीमेंट्री नंबर थ्योरी एंड क्रिप्टोग्राफी- कोआर्डिनेटर डा. आनंद बल्लभ जोशी
चौथा सेमेस्टर : एलीमेंट्री क्रिप्टोग्राफी- कोआर्डिनेटर डा. आनंद बल्लभ जोशी
सांख्यिकी : दूसरा सेमेस्टर इंट्रोडक्शन टू स्टैटिस्टिकल डेटा एनालिसिस-1, कोआर्डिनेटर डा. मुकेश कुमार
चौथा सेमेस्टर : इंट्रोडक्शन टू स्टैटिस्टिकल डेटा एनालिसिस-2, कोआर्डिनेटर डा. रोहिनी यादव
बाटनी : दूसरा सेमेस्टर- मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलाजी, कोआर्डिनेटर प्रो. गौरी सक्सेना
चौथा सेमेस्टर : हायड्रोपोनिक्स कल्टीवेशन आफ प्लांट्स, कोआर्डिनेटर प्रो. गौरी सक्सेना।

बीपीएड में 25 साल से ज्यादा उम्र तो दाखिला नहीं

लवि एवं सहयुक्त महाविद्यालयों के बीपीएड पाठ्यक्रम में वही अभ्यर्थी दाखिले के लिए पात्र होंगे, जिनकी उम्र प्रवेश के वर्ष एक जुलाई को हाईस्कूल प्रमाण पत्र के अनुसार 25 साल से अधिक न हो। एमपीएड में उम्र की अधिकतम सीमा 35 वर्ष निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर इसका विस्तृत विवरण अपलोड किया है।

लवि परिसर में बीपीएड की 100 सीटें और एमपीएड की सिर्फ 30 सीटें हैं। वहीं, कालेजों में भी यह पाठ्यक्रम चलता है। इन दोनों कोर्सों में भी विश्वविद्यालय की केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से ही प्रवेश लिया जाना है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने आवेदन के लिए अर्हता निर्धारित की है।

एमपीएड के लिए पात्रता : बीपीएड या समकक्ष के साथ सामान्य, ओबीसी के लिए कम से कम 50 प्रतिशत और एससी-एसटी अंकों के लिए 45 प्रतिशत या शारीरिक शिक्षा के साथ स्नातक, ओबीसी के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक और एससी-एसटी के लिए 45 प्रतिशत अंकों के साथ जरूरी है। प्रवेश के लिए 200 अंक से मेरिट बनेगी। 100 अंक लिखित परीक्षा, 50 अंक फिजिकल फिटनेस, 30 अंक गेम्स प्रोफिसिएंसी, बीपीएड में प्राप्त अंक के आधार पर 10 अंक और साक्षात्कार के 10 अंक साक्षात्कार शामिल होंगे।

बीपीएड के लिए

सामान्य, ओबीसी के लिए 45 फीसद अंकों और एससी-एसटी के लिए 40 फीसद अंकों के साथ फिजिकल एजुकेशन में स्नातक की डिग्री वाले आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत अर्हता वेबसाइट पर दी गई है। दाखिले के लिए अंतिम मेरिट 200 अंक से बनेगी। इसमें प्रवेश परीक्षा 100 अंक, फिजिकल फिटनेस टेस्ट 50 अंक, 40 अंक गेम्स प्रोफिसिएंसी टेस्ट और 10 अंक साक्षात्कार के होंगे।

लवि व कजाख विश्वविद्यालय करेंगे एकेडमिक सहयोग

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और कजाकिस्तान यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी एंड बिजनेस अस्ताना, कजाकिस्तान के बीच जल्द ही एमओयू होगा। इसके तहत दोनों विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के एक-दूसरे विश्वविद्यालय की शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। इन सुविधाओं में स्नातक की इंटर्नशिप, प्रोफेसरों के व्याख्यान, वैज्ञानिक संगोष्ठियों, सम्मेलनों, संयुक्त प्रकाशनों, वैज्ञानिक पत्रों सहित कई एकेडमिक सहयोग शामिल हैं। सोमवार को दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के बीच इस पर आनलाइन बैठक हुई।

कजाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक संजय वेदी ने बैठक का समन्वय किया। इसमें लवि की ओर से निदेशक अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रो. आर पी सिंह, एडिशनल डीन छात्र कल्याण प्रो. अमृतांशु शुक्ला, डा. अनीस अहमद व डा. जीशान शामिल हुए। कजाख विश्वविद्यालय के डीन और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रतिनिधित्व किया। दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने अपनी विशिष्ट क्षमताओं और पारस्परिक सहयोग पर विस्तार से चर्चा की। सहयोग के संभावित क्षेत्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आइटी, पर्यटन और डिजाइन और खाद्य प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, वित्त और अर्थशास्त्र, प्रबंधन के क्षेत्र होंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि भारत और विदेश के संस्थानों के मध्य अकादमिक विचार-विमर्श के लिए अनेक संभावनाएं हैं।

छह व सात मई को विज्ञान कांग्रेस की टीम जाएगी कोलकाता

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन की समिति व परिषद की बैठक में शामिल होकर अपनी तैयारियों का देंगे प्रस्तुतीकरण

जासं, लखनऊ : 109वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस (आइसीए) के वार्षिक सम्मेलन को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी तैयारियों में जुटा है। अब लवि से आइसीए की टीम में शामिल आयोजन सचिव प्रो. एसपी त्रिवेदी, स्थानीय सचिव प्रो. पूनम टंडन व प्रो. गीतांजलि मिश्रा छह व सात मई को कोलकाता में होने वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन की समिति व परिषद की बैठक में शामिल होकर अपनी तैयारियों का प्रस्तुतीकरण देंगे।

आयोजन सचिव प्रोफेसर एसपी त्रिवेदी ने बताया कि कोलकाता स्थित मुख्यालय में होने वाली बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी आधारभूत संचरनाओं, सुविधाओं, आडियो-वीडियो विजुअल, सभागार की स्थिति, उनकी सीट क्षमता, आइसीटी की दक्षताओं से लेकर 15 हजार डेलीगेट्स के पंजीकरण, उनके रहने, ट्रांसपोर्ट सुविधाओं सहित अन्य तैयारियों को लेकर परिषद के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुतीकरण देंगे। डेलीगेट्स को घुमाने के लिए विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के बारे में भी बताएंगे। उन्होंने बताया कि वहां से जो भी सुझाव आएंगे, उन्हें अपनी तैयारी में शामिल करेंगे। परिषद को यह भी बताएंगे कि लवि के छात्रावासों, भारत व राज्य सरकार के उपक्रम के अतिथि गृह एवं छात्रावासों में कितने प्रतिनिधियों को ठहराया जा सकता है।

1250 ने भरा फार्म : स्थानीय सचिव प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस में छात्र-छात्राओं को जोड़ने के लिए 1250 छात्र-छात्राओं ने गूगल फार्म भरा है।

'अब भी इंजीनियरिंग के कोर ब्रांच का महत्व'

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय में रीसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पर आयोजित सम्मेलन में पत्रिका का विमोचन करते तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल साथ में कुलपति प्रो. आलोक राय व अन्य ● सौ. लवि

जासं, लखनऊ : प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के युग में आज हर चीज छोटी होती जा रही है। डाटा साइंस में एक छोटी सी चिप में पूरी इंजीनियरिंग आ गई है, लेकिन इस दौर में भी इंजीनियरिंग के कोर ब्रांच सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का महत्व है। इसके बिना पोस्ट इंड्रस्ट्रियल युग में विकास संभव नहीं है। आशीष पटेल लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विषय पर आयोजित कांफ्रेंस में प्राविधिक शिक्षा मंत्री ने शोधार्थियों से कहा कि वे शोध को एक दूसरे से साझा करें, ताकि इंजीनियरिंग में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके। राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के आने से इंजीनियरिंग छात्रों को कोर्स स्ट्रक्चर चुनने में और भी आजादी मिलेगी। कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्रों में क्या नया बदलाव हो रहा है, इसके विषय में जानना जरूरी है।

उपभोक्ताओं का ध्यान रखकर तैयार करें उत्पाद : आइआइटी मद्रास के प्रो. एके वर्मा ने कहा कि उत्पाद डिजाइन से कंपनियों की अधिकतम संभावना होती है कि वे अपने उत्पादों को बाजार में अधिक सफलता के साथ ला सकते हैं। आइईटी लखनऊ के प्रो. कुलदीप सहाय ने बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, ई-कामर्स, मनुफैक्चरिंग, सेवा के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलाजी के उपयोग के विषय में बताया। दूसरे सत्र में संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्रो. पीके सिंह ने टालरेंस एनालिसिस एंड यील्ड एस्टीमेशन में सिमुलेशन और मैकेनिकल इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी एकीकरण में सिमुलेशन के प्रयोग के विषय में बताया। आइईटी लखनऊ की प्रो. सीतालक्ष्मी ने नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण-चुनौतियां और उसमें अवसरों को बताया।

PIONEER PAGE 4

इंजीनियरिंग के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस युग में धीरे.धीरे सभी चीजें छोटी होती जा रही है, पूर्णतया डाटा साइंस का समय आ गया है, लेकिन उनके बीच में सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के योगदान को भुलाया नही जा सकता है। पटेल सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय में रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग्य विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

पटेल ने कहा कि सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग की वो ब्रांच हैं, जिनके बिना पोस्ट इंडस्ट्रीयल युग में विकास संभव नहीं है। उन्होंने देश विदेश से आए सभी शोधकर्ताओं को अपना शोध साझा करने को कहा। जिससे नए और नवीनतम इनोवेशन का जन्म हो। आरटीयू के कुलपति और विशिष्ट अतिथि प्रो एसके सिंह ने कहा कि सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल शाखाएं इंजीनियरिंग का मूल है। सिविल इंजीनियरिंग में हुए एडवांसमेंट को हम प्रत्यक्ष रूप से सड़कों एवं हवाई अड्डों में विस्तार और उनके निर्माण समय में हुई कटौती के रूप में देख सकते हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति के बारे में बात करते हुए कहा कि एनईपी इंजीनियरिंग छात्रों को कोर्स स्ट्रक्चर चुनने में फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करेगी। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि इंजीनियरिंग शिक्षा में केवल कक्षा या प्रयोगशाला में छात्रों को पाठ्यक्रम के आधार पर ज्ञान प्रदान करना ही नहीं है बल्कि इसके कई अन्य पहलू भी हैं और उनमें से एक पहलू यह पता लगाना है कि इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्रों में क्या नवीनतम प्रगति हो रही है।

राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता, आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर एके वर्मा ने प्रोडक्ट डिजाइन विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। दूसरे सत्र की शुरुआत, संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर पीके सिंह और आईईटी लखनऊ की प्रोफेसर सीतालक्ष्मी ने अपने व्याख्यान दिए।

एलयू व कजाकिस्तान विश्वविद्यालय के साथ बैठक आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय और कजाकिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस अस्ताना कजाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच सोमवार को अकादमिक सहयोग की संभावनाओं पर एक ऑनलाइन बैठक हुई। बैठक का समन्वय स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र अस्ताना कजाकिस्तान में भारत के दूतावास द्वारा किया गया था। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से प्रो आर पी सिंह, निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय छात्र सलाहकार, प्रोफेसर अमृतांशु शुक्ला, एडिशनल डीन छात्र कल्याण, डॉ अनीस अहमद व्यवसाय प्रशासन विभाग, डॉ जीशान इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय ने बैठक में प्रतिभाग किया । कजाख प्रौद्योगिकी और व्यवसाय विश्वविद्यालय के डीन और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने कज़ाख विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने अपनी विशिष्ट क्षमताओं और पारस्परिक सहयोग पर विस्तार से चर्चा की गयी । प्रतिनिधियों ने छात्रों के आदान.प्रदान, स्नातकों की इंटर्नशिप, प्रोफेसरों द्वारा व्याख्यान, संयुक्त वैज्ञानिक संगोष्ठियों और सम्मेलनों, संयुक्त प्रकाशनों और वैज्ञानिक पत्रों आदि के मुद्दों पर सहमति व्यक्त की। सहयोग के संभावित क्षेत्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आईटी पर्यटन और डिजाइन और खाद्य प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, वित्त और अर्थशास्त्रए प्रबंधन के क्षेत्र होंगे। कजाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक संजय वेदी ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया। डीन एकेडमिक्स प्रो पूनम टंडन ने बताया कि कज़ाख विश्वविद्यालय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों में आपसी सहयोग की अपेक्षा कर रहा है। शीघ्र ही दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों के मध्य होने वाली बैठकों में विस्तार से विचार.विमर्श करके एमओयू तैयार किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा की भारत और विदेशों के संस्थानों के मध्य अकादमिक विचार विमर्श के लिए अनेक संभावनाएं हैं तथा हमारी शिक्षा और अनुसंधान की स्थिति दुनिया भर से अनेक अनेक विश्वविद्यालयों को आकर्षित कर रही है।

i-NEXT PAGE 4

इंजीनियरिंग के कोर ब्रांच का महत्व अधिक

LUCKNOW (17 April): प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के युग में आज हर चीज छोटी होती जा रही है. डाटा साइंस में एक छोटी सी चिप में पूरी इंजीनियरिंग आ गई है, लेकिन इस दौर में भी इंजीनियरिंग के कोर ब्रांच सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का महत्व है. इसके बिना पोस्ट इंड्रस्ट्रियल युग में विकास संभव नहीं है. आशीष पटेल लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे.

शोध को साझा करें

रसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विषय पर आयोजित कांफ्रेंस में प्राविधिक शिक्षा मंत्री ने शोधार्थियों से कहा कि वे शोध को एक दूसरे से साझा करें, ताकि इंजीनियरिंग में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके. राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति के आने से इंजीनियरिंग छात्रों को कोर्स स्ट्रक्चर चुनने में और भी आजादी मिलेगी. कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्रों में क्या नया बदलाव हो रहा है, इसके विषय में जानना जरूरी है.

तैयार करें उत्पाद

आईआईटी मद्रास के प्रो. एके वर्मा ने कहा कि उत्पाद डिजाइन से कंपनियों की अधिकतम संभावना होती है कि वे अपने उत्पादों को बाजार में अधिक सफलता के साथ ला सकते हैं. आईईटी लखनऊ के प्रो. कुलदीप सहाय ने बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, ई-कामर्स, मनुफैक्चरिंग, सेवा के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलाजी के उपयोग के विषय में बताया. दूसरे सत्र में संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्रो. पीके सिंह ने टालरेंस एनालिसिस एंड यील्ड एस्टीमेशन में सिमुलेशन और मैकेनिकल इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी एकीकरण में सिमुलेशन के प्रयोग के विषय में बताया. आइईटी लखनऊ की प्रो. सीतालक्ष्मी ने नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण-चुनौतियां और उसमें अवसरों को बताया.

जानें स्नातक दूसरे व चौथे सेमेस्टर के लिए सूची जारी

22 तक कराएं वोकेशनल कोर्सों में रजिस्ट्रेशन

अधिष्ठाता विज्ञान संकाय ने हर कोर्स के लिए तय किए कोआर्डिनेटर

LUCKNOW (17 April): लखनऊ विश्वविद्यालय ने विज्ञान संकाय के विभिन्न विभागों में स्नातक दूसरे व चौथे सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले वोकेशनल कोर्सों की सूची सोमवार को जारी कर दी. दोनों सेमेस्टर में विद्यार्थियों को विकल्प के तौर पर आठ-आठ वोकेशनल कोर्स दिए गए हैं. प्रत्येक कोर्स के लिए एक-एक कोआर्डिनेटर भी नामित किया गया है. छात्र-छात्राओं को कोर्स से संबंधित कोआर्डिनेटर से संपर्क करके गूगल फार्म के माध्यम से 22 अप्रैल तक पंजीकरण कराना होगा.

अधिकतम 100 सीटें हैं

अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रो. बृजेंद्र सिंह की ओर से जारी नोटिस के अनुसार स्नातक दूसरे व चौथे सेमेस्टर के वोकेशनल कोर्सों की सूची जारी कर विद्यार्थियों को पंजीकरण का मौका दिया गया है. प्रत्येक कोर्स में अधिकतम 100 सीटें हैं. केमिस्ट्री विभाग के हेड प्रो. अनिल मिश्रा ने पंजीकरण के लिए गूगल फार्म तैयार कर लिया है. मंगलवार को सभी कोआर्डिनेटर्स को गूगल फार्म का लिंक भेज दिया जाएगा, जिससे विद्यार्थी पंजीकरण करना शुरू कर सकेंगे.

इन कोर्स में रजिस्ट्रेशन

जूलाजी-स्नातक दूसरा सेमेस्टर सेरीकल्चर : द्वितीय सेमेस्टर-मैथड्स एंड प्रास्पेक्टस, कोआर्डिनेटर-डा. कल्पना सिंह, चौथा सेमेस्टर: इंटर्नशिप इन जूलाजी-प्रो. अमिता कनौजिया
जियोलाजी- दूसरा सेमेस्टर- जेमोलाजी, कोआर्डिनेटर डा. राजेश सिंह, चौथा सेमेस्टर : जियोआर्कियोलाजी-डा.मनोज कुमार यादव
केमिस्ट्री- दूसरा सेमेस्टर-फूड केमिस्ट्री-कोआर्डिनेटर डा.एनके सिंह, चौथा सेमेस्टर : इंट्रोडक्शन आफ हाउसहोल्ड केमिकल्स, सोप एंड डिटरजेंट-प्रो. विजय कुमार राय
फिजिक्स- दूसरा सेमेस्टर- सोलर फोटो वोल्टाइक टेक्नोलाजी/आप्टोइलेक्ट्रानिक्स-1-कोआर्डिनेटर डा. ज्योत्सना सिंह, प्रो. अंचल श्रीवास्तव, चौथा सेमेस्टर : सोलर थर्मल एनर्जी कन्वर्जन/आप्टोइलेक्ट्रानिक्स-2 कोआर्डिनेटर प्रो.एनके पांडेय
कंप्यूटर साइंस- दूसरा सेमेस्टर- बेसिक कंप्यूटर-1 वीसी-1, कोआर्डिनेटर-डा.एस पी कनौजिया, चौथा सेमेस्टर : बेसिक आफ वेब डिजाइन वीसी-2-कोआर्डिनेटर डा. राजेश कुमार गौतम
गणित- दूसरा सेमेस्टर-एलीमेंट्री नंबर थ्योरी एंड क्रिप्टोग्राफी-कोआर्डिनेटर डा. आनंद बल्लभ जोशी, चौथा सेमेस्टर : एलीमेंट्री क्रिप्टोग्राफी-कोआर्डिनेटर डा. आनंद बल्लभ जोशी
सांख्यिकी- दूसरा सेमेस्टर इंट्रोडक्शन टू स्टैटिस्टिकल डेटा एनालिसिस-1, कोआर्डिनेटर डा. मुकेश कुमार, चौथा सेमेस्टर : इंट्रोडक्शन टू स्टैटिस्टिकल डेटा एनालिसिस-2, कोआर्डिनेटर डा. रोहिनी यादव
बाटनी- दूसरा सेमेस्टर- मशरूम कल्टीवेशन टेक्नोलाजी, कोआर्डिनेटर प्रो. गौरी सक्सेना, चौथा सेमेस्टर : हायड्रोपोनिक्स कल्टीवेशन आफ प्लांट्स, कोआर्डिनेटर प्रो. गौरी सक्सेना

VoL PAGE 6

इंजीनियरिंग के षिना विकास कार्य संभव नहीं : आशीष पटेल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की वो ब्रांच हैं जिनके बिना पोस्ट इंडस्ट्रीयल युग में विकास संभव नहीं है। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय द्वारा रिसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि मंत्री आशीष पटेल ने कहीं। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस युग में धीरे-धीरे सभी चीजें छोटी होती जा रही हैं। संपूर्णतया डाटा साइंस का समय आ गया है। लेकिन इनके बीच में सिविल, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। वहीं कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह ने कहा कि सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल शाखाएं इंजीनियरिंग का मूल है। सिविल इंजीनियरिंग में हुए एडवांसमेंट को हम प्रत्यक्ष रूप से सड़कों एवं हवाई अड्डों में विस्तार और उनके निर्माण समय में हुई कटौती के रूप में देख सकते हैं। साथ ही उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में हाइड्रोइलेक्ट्रिक, न्यूक्लियर और थर्मल पावर में हुए एडवांसमेंट के बारे में बताया। इस मौके पर अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अधिष्ठाता प्रो. एके सिंह उपस्थित रहे।

लविवि और कजिस्तान विवि के बीच एमओयू की तैयारी

लखनऊ। लविवि और कजाकिस्तान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस के बीच जल्द ही एमओयू साइन किया जाएगा। इसके लिए दोनों विश्वविद्यालयों ने सोमवार को एक ऑनलाइन बैठक की। इसमें दोनों विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने छात्रों के आदान-प्रदान, स्नातकों की इंटर्नशिप, प्रोफेसरों द्वारा व्याख्यान, संयुक्त वैज्ञानिक संगोष्ठियों और सम्मेलनों, संयुक्त प्रकाशनों और वैज्ञानिक पत्रों के मुद्दों पर सहमति व्यक्त की। सहयोग के संभावित क्षेत्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आईटी, पर्यटन और डिजाइन और खाद्य प्रौद्योगिकी, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, वित्त और अर्थशास्त्र, प्रबंधन के क्षेत्र होंगे। इस कार्यक्रम का समन्वय कजाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक संजय वेदी ने किया। ऑनलाइन मीटिंग में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अंतर्राष्ट्रीय छात्र सलाहकार के निदेशक प्रो. आरपी सिंह, एडिशनल डीन छात्र कल्याण प्रो. अमृतांशु शुक्ला मुख्य रूप से रहे। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि भारत और विदेशों के संस्थानों के मध्य अकादमिक विचार विमर्श के लिए अनेक संभावनाएं हैं।

THE PIONEER PAGE 3

LU to collaborate with Kazakh univ

PNS ■ LUCKNOW

An online meeting of the authorities of Lucknow University and delegates of Kazakh University of Technology and Business, Astana, discussed the prospects of future collaborations on Monday. The meeting was coordinated by Swami Vivekananda Cultural Centre, Embassy of India in Astana, Kazakhstan.

The dean and other administrative authorities of Kazakh University of Technology and Business represented the Kazakh wing. Both the prospective partners explained their academics and potentials. Director of Swami Vivekananda Cultural Centre, Embassy of India in Kazakhstan, Sanjay Vedi coordinated the event.

The delegates initially concurred on the issues of exchange of students, internship of graduates, lectures by professors , joint scientific seminars and conferences, joint publications, scientific papers, etc. The possible areas of collaboration will be the domains of science and technology, IT, tourism & design, food technology, English language teaching, finance & economics, management, etc.

There will be further deliberations in the physical meetings of the delegates to be held shortly. "We are open to handholding and knowledge sharing with institutions in India and abroad. Our state of academics and research is attracting many partners across the globe," LU Vice-Chancellor Prof AK Rai said.

Dept of archaeology includes excavation of Ayodhya

PNS ■ LUCKNOW

The department of ancient Indian history and archaeology, University of Lucknow, has included the excavation of Ayodhya in the fourth unit of field archaeology in the eighth paper of the fourth semester of BA under NEP. Along with this, excavations of other ancient sites — Bhimbetka, Kalibanga and Hastinapur — have also been included.

Head of the department Prof Piyush Bhargava said that Ayodhya is an ancient city located in Uttar Pradesh which finds mention in Ramayana, Mahabharata and various 'puranas'. According to 'puranas', Ayodhya was established by Manu of Ikshvaku Dynasty. After that, Dashrath, Ram, etc ruled in his generation.

"It is mentioned in later texts that Ayodhya, which was known as Kosala, was later divided into two parts – Uttara Kosala and Dakshina Kosala. Shravasti is the capital of North Kosala and Kushavati is the capital of South Kosala. It is mentioned in ancient texts that this city was situated on the banks of Sarayu river. It is also mentioned in Raghuvansh," he pointed out.

He further said that according to Alexander Cunningham, who is called the Father of Indian Archaeology, Ayodhya is also mentioned as Saket. He got the survey of Ayodhya done in about 1862-63. Between 1889-91, A Fuhrer had also surveyed Ayodhya. Chinese traveler Fa Hien calls it by the name of Sha-chi.

"The earliest archaeological excavations in Ayodhya were carried out by Awadh Kishore Narayan of Kashi Hindu University in the session 1969-1970 AD and dated it to 17th century BC. After this, between 1975 and 1985, Prof BB Lal of the Archaeological Survey of India conducted archaeological excavations at various places related to Ramayana such as Bharadwaj Ashram, Nandigram (Ayodhya), Chitrakoot and Shringverpur (Prayagraj)," he added.

TOI PAGE 2

LU gives NOC to law college in MSY's name

Decks Clear For 15 New Colleges

Times News Network

Lucknow: As many as 15 new management and law colleges, including one in the name of former chief minister Mulayam Singh Yadav, will be opened in Lucknow, Hardoi and Sitapur. These colleges will offer around 1,000 seats.

Lucknow University which already has 545 affiliated colleges in Lucknow, Sitapur, Hardoi, Rae Bareli and Lakhimpur has granted a no-objection certificate to nine colleges in Lucknow while seven will be opened in other districts.

Colleges that have got approval in Lucknow are Saroj College of Law, Bhagwati Institute of Management, Bal Nikunj Girls' Degree College, Career Degree College, Surya College of Management, Vedanta Law College, LBS Law College, City College of Law and Ambakeshwar College of Higher Studies.

The private law college in Mulayam Singh Yadav's name will come up in Hardoi

The private law college in the name of Mulayam Singh Yadav will also be opened in Hardoi. The final assent on the approval for opening these colleges will be given in the executive council meeting to be held soon. "LU's clearance committee has approved over a dozen degree colleges. Their land-related records have already been verified and the colleges will be granted final approval in the executive council meeting and thereafter they can invite admission for the academic session 2023-34," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said that only after the assurance that these colleges have a good infrastructure and adequate facilities the approval has been granted. The opening of new colleges will provide more options to students who are looking for admission in professional and law courses, he added.

HT PAGE 3

LU SEEKS TO COLLAB WITH KAZAKH UNIV

LUCKNOW: Lucknow University (LU) is exploring collaboration with Kazakh University of Technology and Business Astana, Kazakhstan.

The LU authorities held virtual discussions with delegates of Kazakh University in this regard on Monday and in this online meet, coordinated by Sanjay Vedi, director at Swami Vivekananda Cultural Centre, Embassy of India in Astana, Kazakhstan, both the prospective partners concurred on various issues.

These include issues like student exchange, graduate internships, lectures by professors, joint scientific seminars, conferences, publications.

HTC